[This question paper contains 7 printed pages.]

258 *Your Roll No.* .....

B.A. (Programme)/I Sem. **B**

(T)

SANSKRIT DISCIPLINE – Paper IA

(Sanskrit Grammar & Text)

(Admissions of 2011 and onwards)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 75*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– *Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी :- *अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र के उत्तर संस्कृत या हिंदी या अंग्रेज़ी किसी एक भाषा में दीजिये; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिये।*

All *questions are compulsory.*

सभी *प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।*

1. (अ) निम्नलिखित शब्दों में से भाग 'क' से **तीन**, भाग 'ख' से **दो** और भाग 'ग' से **एक** शब्द के रूप निर्दिष्ट विभक्ति में लिखिए :

P.T.O.

Decline the following words as directed, taking **three** from part 'क', **two** from 'ख' and **one** from 'ग' :

(क) (i) लता - चतुर्थी

(ii) मधु - द्वितीया

(iii) जगत् - तृतीया

(iv) मरूत् - प्रथमा

(v) पितृ - षष्ठी

(ख) (i) अस्मद् - पंचमी

(ii) इदम् (स्त्रीलिंग) - तृतीया

(iii) तत् (स्त्रीलिंग) - प्रथमा

(ग) (i) द्वि (पुँल्लिंग) - षष्ठी

(ii) एक (नपुंसकलिंग) - चतुर्थी

(iii) सप्त - सप्तमी (3+2+1=6)

(आ) निम्नलिखित शब्दों में से भाग 'क' से **तीन**, भाग 'ख' से **दो** तथा भाग 'ग' से **एक** पद में विभक्ति तथा वचन बताइए।

Identify the case-ending and number in the following taking **three** from part 'क', **two** from part 'ख' and **one** from part 'ग' :

(क) रामात्, वारिभ्याम्, फले, सरितः ।

(ख) यस्म, युष्मान्, तस्याम् ।

(ग) त्रयाणाम्, द्वाभ्याम्, चतस्रः । (3+2+1=6)

2. (क) निम्नलिखित धातुओं में से किन्हीं छः धातुओं के रूप निर्दिष्ट लकार एवं पुरूष में लिखिए ।

Conjugate any **six** of the following roots in the given lakāra and puruṣa :

(i) पठ् - लङ् लकार (मध्यम पुरूष)

(ii) भू - लोट् लकार (उत्तम पुरूष)

(iii) अस् - लट् लकार (प्रथम पुरूष)

(iv) हन् - विधिलिंग (मध्यम पुरूष)

(v) तुद् - लृट् लकार (उत्तम पुरूष)

(vi) क्री - लट् लकार (प्रथम पुरूष)

(vii) चुर् - लङ् लकार (उत्तम पुरूष)

(viii) सेव् - लोट् लकार (मध्यम पुरूष) (6)

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं छः क्रियापदों में धातु, पुरूष एवं वचन बताइए ।

Identify the root, puruṣa and number in any **six** of the following verbal forms :

P.T.O.

पचेत्, करोति, अदन्ति, अरून्धन्, अक्रीणत्, सेवेते, भविष्यति, पठतु। (6)

3. (क) प्रश्न संख्या 7 में रेखांकित शब्दों में से किन्हीं **तीन** में सन्धि-विच्छेद कीजिए।

Disjoin Sandhis in any **three underlined** words in Q. No. 7. (3)

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** में सन्धि कीजिए।

Form Sandhis in any **three** of the following :

रवि + इन्द्रः, महा + ऋषिः, हित + उपदेशः, दैत्य + अरिः, तव + ऐश्वर्यम्, इति + अत्र। (3)

4. निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **पाँच** वाक्यों में वाच्य बताइए।

Identify the voice (वाच्य) in any **five** of the following :

(i) त्वं पुस्तकं पठसि।

(ii) रामेण अजा ग्रामं नीयते।

(iii) अहं ग्रामं गच्छामि।

(iv) अध्यापकेन, आसने, आस्यते।

(v) मया फलं भक्ष्यते।

(vi) बालकेन कार्यं क्रियते।

(vii) कृष्णः कन्दुकेन क्रीडति॥ (5)

5. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार रेखांकित** शब्दों में विभक्ति का कारण लिखिए।

Account for the case-ending in any **four** of the following **underlined** words –

(i) अग्नये स्वाहा।

(ii) ग्रामम् अभितः जलम् अस्ति।

(iii) रामेण विना सीता न गच्छति।

(iv) गुरवे नमः।

(v) कविषु कालिदासः श्रेष्ठः। (4)

(ख) किन्हीं **तीन** वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

Correct any **three** of the following sentences –

(i) अश्वेन पतति।

(ii) भिक्षुकं वस्त्रं यच्छति।

(iii) अलं रोदनात्।

(iv) पादात् खञ्जः।

(v) ग्रामस्य अभितः वृक्षाणि सन्ति। (3)

6. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **चार** शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :

Make sentences of any **four** words of the following :

रामस्य, फलानि, आसीत्, मात्रा, चत्वारि, आम्रम्, लतासु, चोरयति। (8)

P.T.O.

7. (क) किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए।

Translate any **two** of the following – (8)

(i) अथ सा कदाचिच्छय्यायां पुत्रं शाययित्वा जलकुम्भमादाय, पतिमुवाच – "ब्राह्मण! जलार्थमहं तडागे यास्यामि। त्वया पुत्रोऽयं नकुलाद्रक्षणीयः।"

अथ तस्यां गतायां, पृष्ठे ब्राह्मणोऽपि शून्यं गृहं मुक्त्वा भिक्षार्थं क्वचिन्निर्गतः। अत्रान्तरे देववशात् कृष्णसर्पो बिलान्निष्क्रान्तः। नकुलोऽपि तं स्वभाववैरिणं मत्वा, भ्रातु रक्षणार्थं सर्पेण सह युद्ध्वा सर्पं खण्डशः कृतवान्।

(ii) कस्मिंश्चित्सरोवरे भारुण्डनामा पक्षी एकोदरः, पृथग्ग्रीवः प्रतिवसति स्म। तेन च समुद्रतीरे परिभ्रमता किंचित्फलममृतकल्पं तरङ्गक्षिप्तं सम्प्राप्तम्। सोऽपि भक्षयन्निदमाह – "अहो, बहूनि मयाऽमृत प्रायाणि समुद्रकल्लोलाहृतानि फलानि भक्षितानि। परमपूर्वोऽस्यास्वादः। तत्किं पारिजातहरिचन्दनतरुसंभवम्? किं वा किंचिदमृतमयफलमयमव्येक्तेनाऽपि विधिनाऽपातितम्!"

(iii) रामस्य व्रजनं वने, निवसनं पाण्डोः सुतानां वने,
वृष्णीनां निर्धनं, नलस्य नृपते राज्यात्परिभ्रंशनम्।
सौदासं तदवस्थमर्जुनवधं सञ्चिन्त्य लङ्केश्वरम्
दृष्ट्वा राज्यकृते विडम्बनगतं, तस्मान्न तद्वाञ्छयेत॥

(ख) किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (12)

Explain with reference to the context any **two** of the following :

(i) तानीन्द्रियाण्यविकलानि, तदेव नाम, सा
बुद्धिरप्रतिहता वचनं तदेव ।
अर्थोष्णा विरहितः पुरूषः स एव बाह्यः
क्षणेन भवतीति विचित्रमेतत् ।।

(ii) उत्सवे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुसङ्कटे ।
राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः ।।

(iii) सर्पाणां च खलानां च सर्वेषां दुष्टचेतसाम् ।
अभिप्राया न सिध्यन्ति तेनेदं वर्तते जगत् ।। (5)

(ग) किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए ।

Write **one** Answer of the following questions :

(i) पंचतन्त्र के पंचम तन्त्र का नाम 'अपरीक्षितकारकम्' क्यों रखा गया है ?

Why fifth Tantra of 'Panchtantra's named 'अपरीक्षितकारकम्' ?

(ii) 'लोभाविष्टचक्रधर-कथा' का संक्षेप देते हुए उससे मिलने वाली शिक्षा पर प्रकाश डालिए ।

Write the summary of the 'लोभाविष्टचक्रधर-कथा' and explain its morale.